पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

महिलाओं का आदर व सम्मान करना समाज का दायित्व है- श्री नाईक
रक्षाबन्धन बहन के प्रति जिम्मेदारी का अहसास दिलाता है--राज्यपाल

लखनऊः 19 अगस्त, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज क्राइस्ट चर्च कालेज में उत्तर प्रदेश मसीह संगठन, राष्ट्रीय मुस्लिम मंच एवं राष्ट्रीय एकता मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्षाबन्धन पर्व में शिरकत की। कार्यक्रम में हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध आदि सभी धर्मों के लोगों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर श्रीमती प्रभावती, श्रीमती अनुपूर्णा, सुश्री रोज पाल, श्रीमती तनवीर रिजवी सहित अन्य धर्मों की महिलाओं ने राज्यपाल को राखी बांधी।

राज्यपाल ने इस अवसर पर आयोजित समारोह पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आयोजकों ने इस पर्व में नया अध्याय जोड़ा है। सभी धर्मों के लोगों को एक मंच पर लाने के काम के लिये आयोजकगण बधाई के पात्र हैं। महिला किसी भी धर्म की हों उसका आदर व सम्मान करना समाज का दायित्व है। सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण हो तो महिलाएं देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि समाज में यह सन्देश पहुंचाने की जरूरत है।

श्री नाईक ने कहा कि रक्षाबन्धन भाई-बहन का त्यौहार है जो बहन के प्रति जिम्मेदारी का अहसास दिलाता है तथा रिश्तों की पहचान बताता है। महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों को रोकने के लिये समाज आगे आये। रक्षाबन्धन को राष्ट्रीय नहीं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाना चाहिए। जब सभी धर्मों के लोग मिलकर इस त्यौहार को मनायेंगे तो यह परम्परा विदेशों में स्वयं आरम्भ हो जायेगी। योग का निर्माण भारत में हुआ मगर आज योग अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि इसी भावना के साथ भाई-बहन के पवित्र रिश्तों के पर्व को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का प्रयास होना चाहिए।

कार्यक्रम में अन्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

अंजुम/ललित/राजभवन (296/26)

विश्व का